

THINKS LIKE A P&G WOMAN

Ferdinando Frega - Nando the Scribe



पी एंड जी औरत की तरह सोचती है

छब्बीस जून थी जब ख़बर आई।

किसी ने, उसे जाने बिना, उसी की राय अपना ली थी।

जिलेट की सीईओ एक औरत को बनाने का फ़ैसला किया था।

पुर्तगाली-ब्राज़ीली मूल की एक औरत।

जिलेट के एक सौ तीस साल के इतिहास में एक अनोखी घटना।

दर्ज करने को कुछ नहीं था। कोई टिप्पणी नहीं करनी थी।

बस इंतज़ार करना था। और भरोसा रखना था।

उसके फ़ैसले पहले सहज-बुद्धि और अंतर्ज्ञान से आएँगे, और फिर उस तर्कसंगत, भावनात्मक तर्क से जिसे औरतें समझातीं नहीं। वे उसे जीती हैं।

वह आधिकारिक तौर पर इसका प्रतिनिधित्व करती है: वह सर्वश्रेष्ठ जो एक मर्द पा सकता है।

किसी ब्लेड के भीतर नहीं, बल्कि गढ़े जाने में, चुने जाने में, परखे जाने में, पूरी तरह समझे जाने में।

और हर सुबह यह तय करने में कि उस रस्म को निभाते रहना क्यों मायने रखता है।

जिलेट मैन इसलिए है कि एक औरत ने तय किया कि मर्द को कैसा होना चाहिए।

ज़ोर से नहीं। अपनी मौजूदगी से।

उस इंसान के ख़ामोश अधिकार से जो सूरत और सीरत में फ़र्क़ करना जानता है।

वही वह पैमाना है जिस तक ब्लेड ने हमेशा पहुँचने की कोशिश की है।

हर जिलेट मैन के पीछे की तीन औरतें

जिलेट मैन के पीछे एक औरत नहीं है। तीन हैं।

और हर मर्द जिसने कभी ब्लेड थामा है, तीनों को अपने साथ लिए चलता है।

वह औरत जिसने उसे सिखाया।

उसकी माँ। उसकी दादी।

पहली औरत जिसने उसके हाथ में ब्लेड रखा और कहा, शब्दों में या बिना शब्दों के, कि दुनिया के लिए खुद को तैयार करने को एक मर्द यही करता है।

उसने उसे तकनीक नहीं सिखाई। उसने उसे इरादा सिखाया।

रस्म उसकी होने से पहले उस औरत की थी।

वह औरत जो देखती है।

उसकी साथी। उसकी पत्नी।

वह औरत जो गौर करती है कि उसने शेव की है या नहीं, इसलिए नहीं कि वह जाँच रही है, बल्कि इसलिए कि वह उसे देखती है।

इकलौती उसी की नज़र है जो नापती है कि जो मर्द वह है और जो मर्द वह होना चाहता है, उनके बीच कितनी दूरी है।

वह कभी एक शब्द नहीं कहती। ज़रूरत ही नहीं। ब्लेड पहले से जानता है।

वह औरत जो फ़ैसला करती है।

ख़रीद के पल की औरत।

बाज़ार में जिलेट की मौजूदगी के पचास बरसों तक, अमेरिकी घरों में ख़रीदे गए ज़्यादातर ब्लेड औरतों ने ख़रीदे।

ब्रांड उसने चुना। उत्पाद उसने चुना।

उसने तय किया कि उसकी ज़िंदगी के मर्द के लिए सटीकता का क्या मतलब है।

मार्केटिंग का निशाना मर्द था। फ़ैसला हमेशा औरत का था।

आख़िर में, उस ब्राज़ीली औरत के लिए एक भेंट जो अब जिलेट की अगुवाई करती है।

ज़ंजीर की आख़िरी कड़ी की ओर से, हालाँकि सब इस पर टिका है कि कोई शुरुआत को कहाँ देखना चुनता है।

महिमा और शक्ति माँ जिलेट को लौटे।

और इसके साथ, नारे में ढली एक संरचनात्मक सच्चाई।

एक भेंट जो कोई माँ अपनी किसी बेटी से पाकर सराहेगी:

जिलेट मैन। औरतों का बस सर्वश्रेष्ठ।

नांदो, लेखक